PACS

Poorest Areas Civil Society Programme

PRI Convention

Patna, Bihar

9th April 2007

newspaper clippings – part 1

PACS - PRI Convention

Patna

TUESDAY, APRIL 10, 2007

Hindustan Times

Woman panchs face the punches

Anugya Shrivastava
Patna, April 9

FIFTY PER cent reservation in panchayat bodies notwithstanding, most of the elected woman representatives still get a raw deal, whether it be at the hands of their 'powerful' husbands, colleagues, or government officials. Many of them have endured being stripped in public, physically abused, chased and threatened — and survived to tell the tale.

Their experiences came tumbling out at the Convention of Women Representatives of the State's Panchayati Raj System organised here on Monday at the S K Memorial Hall by Development Alternatives. More than 1000 woman representatives from the poorest regions of the State shared their experiences at Monday's convention.

Speaking at the convention one day after the woman Panch, Chanda Khatoon, was stripped in public at Siswa village under Banjaria police station in East Champaran district, a Panchayat Samiti member of Verma Oraiya village in Chanpatia block of West Champaran district, Gayatri Devi, accused a bank employee of her village of twisting her thumb and refusing her a loan.

Gayatri Devi alleged the bank employee had humiliated her when she went to apply for a loan at the nationalised bank in her village. She said she needed the loan to start a self-help group (SHG).

Gayatri Devi, who belongs to the Musahar community, also disclosed that when the local administration recently distributed 'below poverty line' (BPL) cards among the poor of all communities in Verma Oraiya village, not a single person from the

SYAMAL

"It is tough for women to work at the grassroots level where men, in general, consider women inherently inferior"

Musahar community received the BPL card. It is common knowledge that Musahars are among the poorest members of society. She gave other instances of many other problems she continued to face even after becoming a panchayat samiti member.

The woman Mukhiya of Vihat Dakshini Panchayat under Lakhnaur block of Madhubani district, Radha Devi, said she had managed to secure over 400 job cards for poor people in the hope that they could be given work under the National Rural Employment Guarantee Scheme (NREGS).

However, the BDO and the DDC did not give her any money to begin

Continued on page 7

Woman panchs face the punches

Continued from page 1

construction of roads or some other work in her locality where the 'job card holders' could get work. She alleged that whenever she approached the DDC, he demanded a bribe she would not give. "Three months from now, the entire area would be flooded and then it would be virtually impossible to find work for the 'job card holders'," she said.

... ernment schools near her village gave mid-day meals to children. Whenever she had tried to draw the attention of officials towards this, they had shouted at her and driven her away. She said whenever she asked the Mukhiya to give ration cards to the poor people of her village he simply ignored her requests. She said no development work — such as in-

... from Rajnagar block in Madubani district, Sangeeta Thakur, said she was discriminated against not only by government officials but also her male colleagues on the District Board. They did not take her official status seriously.

Earlier, State Assembly Speaker Uday Narayan Choudhary appealed to the woman representatives to fight for their rights. He

... ently inferior to men. Fifty per cent of the seats in the forthcoming municipal corporation elections would also been reserved for women, the Speaker said.

Women needed to be educated if they were ever to make use of their rights effectively, said Kiran Sharma, programme director of the Poorest Areas Civil Society Programme of the

front page story

PACS - PRI Convention

Patna

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

पटना, 10 अप्रैल, 2007

महानगर

'जीत के बाद भी अधिकारों से वंचित हैं महिलाएं'

ाटना, हमारे प्रतिनिधि : सूबे में पंचायती राज यवस्था लागू होने और भारी संख्या में महिलाओं को ीत जाने के बावजूद वे अपने ाधिकारों का पूरी तरह उपयोग नहीं कर पा रही हैं। वे अपने अधिकांश ाधिकारों से वंचित हैं। अशिक्षा व ाज्ञानता उनके अधिकारों के उपयोग में ाबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आ रही ा। ये बातें सोमवार को स्थानीय ीकृष्ण मेमोरियल हाल में आयोजित ाहिला पंचायत प्रतिनिधियों के ाम्मेलन में विभिन्न वक्ताओं ने कहीं। ायर्क्रम का आयोजन पुवरेस्ट एरिया ाविल सोसायटी प्रोग्राम(पैक्स) के ाहत किया गया था।

ाम्मेलन का उद्घाटन बिहार विधान ाभा के अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी

कहा कि महिलाओं के विकास से ही समाज का सही मायने में विकास संभव है। उन्होंने कहा कि एक

सम्मेलन में शामिल पंचायत प्रतिनिधि जागरण

है। इस अवसर पर महिला प्रतिनिधियों ने जोर दिया कि सरकार उनको अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए चरणबद्ध कार्यक्रम शुरू करे ताकि

• महिला पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन में वक्ताओं के विचार

सही मायने में जन प्रतिनिधि अपने अधिकारों को समझ सके और प्रदेश में पंचायती राज का सपना साकार हो सके। वर्तमान में अधिकांश महिला जन प्रतिनिधियों को अपने अधिकारों के बारे में पूरी जानकारी नहीं हैं, जिससे विकास कार्यों में बाधा आ रही है। सेमिनार में पैक्स के अध्यक्ष डा.ए.के.वसु, निदेशक किरण शर्मा, संयोजक राकेश झा, प्रवक्ता समीर व अमरेन्द्र, मधुबनी के जिला पार्षद संगीता ठाकुर, गया के जिला पार्षद पतल देवी, मधुबनी की मखिया राधा देवी सहित

PACS - PRI Convention

Patna

प्रभात नगर

पटना, मंगलवार, 10 अप्रैल, 2007

'अधिकार के लिए महिलाएं आगे आयें'

संवाददाता

पटना : विधानसभा के अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने कहा कि जब तक महिलाओं का विकास नहीं होगा, तब तक समाज का विकास संभव नहीं है. उन्होंने कहा कि जब एक लड़की शिक्षित होती है, तो दो परिवारों का विकास होता है. चौधरी पुअरेस्ट एरियाज सिविल सोसाइटी कार्यक्रम के तत्वावधान में श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित महिला पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि समय और समाज बदल रहा है, ऐसे में महिलाओं का संगठन महिलाओं के लिए तथा महिलाओं द्वारा निर्मित होना चाहिए. महिलाओं को अपने हक व अधिकार के लिए आगे आना होगा. इस अवसर पर विधान पार्षद प्रेमकुमार मणि ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का सबसे बड़ा काम हुआ है. उन्होंने सावित्री रमा बाई फूले व पंडिता रमा बाई का संदर्भ देते हुए कहा कि उन्होंने किस तरह से महिलाओं को

महिला पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन में विस के अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी.

समाज में अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया. आज उसी संघर्ष का नतीजा है कि महिलाएं अपने अधिकार व कर्तव्य की बात कर रही हैं. उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी-अपनी तरफ से पहल करने की अपील की. कार्यक्रम का संचालन पैक्स कार्यक्रम के संयोजक राकेश झा ने किया. धन्यवाद ज्ञापन किरण शर्मा ने किया. इस अवसर पर संगीता ठाकुर, राधा देवी, पुतुल देवी, किरण शर्मा, डा एके बसु सहित कई लोग उपस्थित थे.

PACS - PRI Convention

Patna

आज

महानगर

पटना, मंगलवार,

महिलाओं के विकास में अंधविश्वास और रूढ़िवादिता बाधक : चौधरी

(आज समाचार सेवा)

पटना। बिहार विधानसभाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने अंधविश्वास और रूढ़िवादिता को महिलाओं के विकास में बाधक बताया है। उन्होंने कहा कि जबतक इसको दूर कर महिलाएं अपने हक के लिए आवाज नहीं उठायेंगी तबतक उन्हें उनका अधिकार नहीं मिल सकता। पैक्स कार्यक्रम के तहत श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में पहुंची सैकड़ों महिला पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण तभी कारगर होगा जब चुनकर आयी महिलाएं अपनी पीढ़ी को शिक्षित करने का संकल्प लेंगी। दो सत्रों में चले इस सम्मेलन को निर्वाचन आयोग के सचिव रघुवंश कुमार सिन्हा, विधान पार्षद प्रेम कुमार मणि, पैक्स कार्यक्रम की निदेशक किरण शर्मा और पीएसी चेयरमैन डा. ए.के. बसु सहित दर्जनों महिला पंचायत प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का उद्‌घाटन पंचायत सदस्या संगीता ठाकुर, पुतुल देवी, गायत्री देवी, राधा देवी और प्रभावती देवी ने किया। विधानसभाध्यक्ष श्री चौधरी ने महिला प्रतिनिधियों को उनकी हीं जुबान में समझाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को ५० फीसदी आरक्षण देकर जो नींव रखी है उसे महिलाओं को हीं आगे बढ़ाकर ले जाना होगा। श्री चौधरी ने कहा कि आरक्षण के प्रभाव से हीं पंचायत चुनावों में कुल १ लाख ३१ हजार की भारी संख्या में महिला सदस्याएं चुनकर आयीं। साथ हीं शिक्षक नियुक्ति में भी हजारों महिलाओं को चुना गया। श्री चौधरी ने कहा कि महिलाओं को अब पंचायत के बाद निगम चुनावों में भी आरक्षण दिया जायेगा ताकि उनका पूर्ण सशक्तीकरण हो सके। मधुबनी से आयी मुखिया राधा देवी ने मैथिल में अपनी बातें रखते हुये आरक्षण के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन पैक्स कार्यक्रम के संयोजक राकेश झा ने एवं धन्यवाद ज्ञापन किरण शर्मा ने किया।

बच्चों के क्रंदन से महिला प्रतिनिधियों का उत्साह फीका

पटना (आससे)। महिलाओं को आरक्षण मिलने से उन्हें अधिकार भले हीं मिल गये पर वह आजादी नहीं मिल पायी हैं जिनके सहारे आगे बढ़ने की कवायद की जा सके। पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेने आयी महिलाओं की स्थिति को देखकर यह बात आसानी से समझी जा सकती थी। सम्मेलन में एक ओर जहां विधानसभाध्यक्ष का भाषण चल रहा था वहीं दूसरी ओर कई महिला प्रतिभागी अपने बच्चों को चुप कराने में परेशान थीं। उनका ध्यान भाषण सुनने में कम जबकि उसमे व्यवधान पैदा कर रहे बच्चे की ओर अधिक था। महिला प्रतिनिधियों के साथ आये उनके पति भी अपनी पत्नियों के इस काम में हाथ बंटा रहें थे। कभी सीट से उठकर हॉल के बाहर जाना तो कभी बच्चे को दूध पिलाना, इसके बावजूद बच्चों के चुप नहीं होने से उनकी परेशानी बढ़ती हीं चली जा रही थी। सम्मेलन में भाग लेने पहुंची पंचायत सदस्याओं में अधिकतर अपने पतियों के साथ आयीं थी जिसपर विधानसभाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने व्यंग्य टिप्पणी भी की। एक वाक्या सुनाते हुये उन्होंने कहा कि जिलों में अब एक 'एसपी' और 'एमपी' की जगह आठ-दस 'एसपी' और 'एमपी' रहते हैं। हालांकि जब उन्होंने इसका खुलासा किया तो हॉल में बैठे सभी लोग खिलखिलाकर हंस पड़े। यहां पर एमपी का मतलब 'मुखिया पति' और एसपी का मतलब 'सरपंच पति' से था।

PACS

PACS – Bihar Coordination Office
C-3, Jula Niketan, Left of Himgiri Bhavan,
Anandpuri, West Boring Canal Road, Patna,
Bihar
Pin: 800001
Phone: 6588104